SHIV OM SAI PRAKASHAN
95/3 Vallabh Nagar, Indore-03 (M.P.) India T: +91 731 4225754, 2530217

बौद्ध गुरु दलाई लामा : काशी मरणान्मुक्ति शान्ति का एक प्रतीक

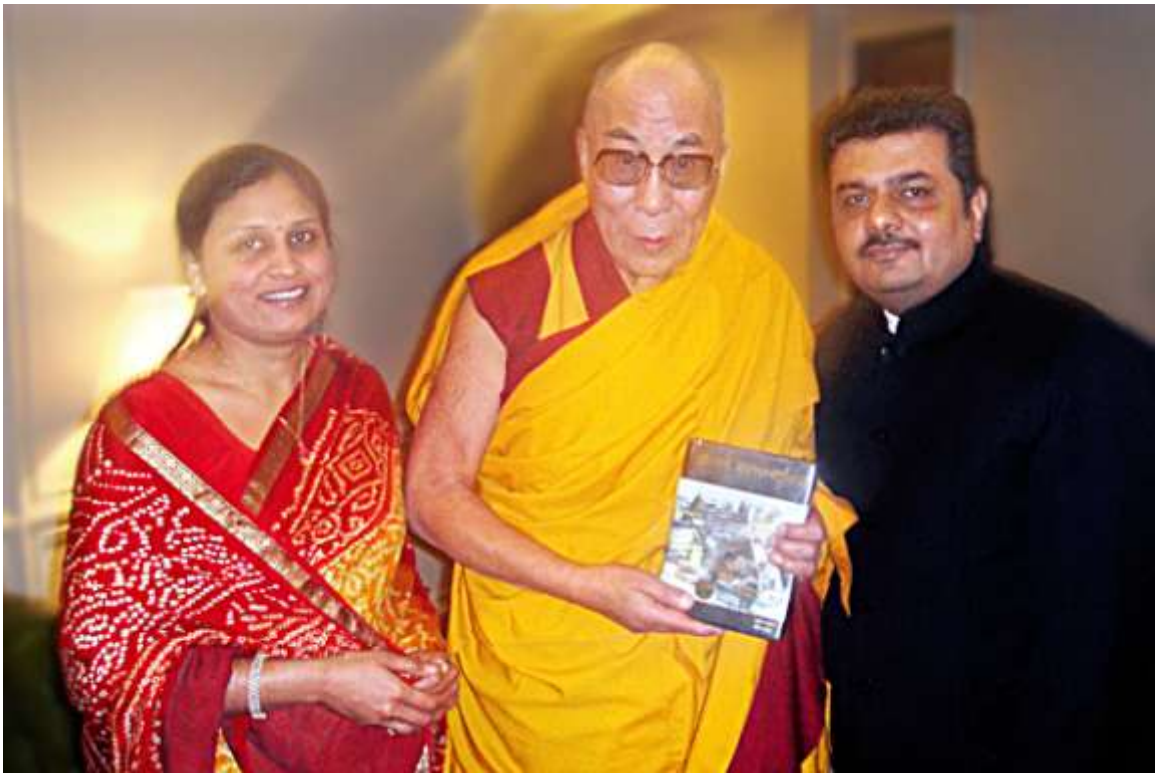

नई दिल्ली, ३० नवम्बर २०११, इंदौर में रचित बहुचर्चित अध्यात्मिक उपन्यास काशी मरणान्मुक्ति को लेखक श्री मनोज ठक्कर एवं प्रकाशक गण ने बौध गुरु दलाई लामा से मिल उन्हें पुष्तक भेंट कर काशी मरणान्मुक्ति के विषय पर चर्चा की। बौद्ध गुरु दलाई लामा के ये विचार हैं कि ऐसी पुस्तकें ही सर्व धर्म के प्रचार प्रसार का प्रचुर स्त्रोत हैं एवं उनका विश्वास है कि इन पुस्तकों के माध्यम से ही हिन्दू, बौद्ध एवं अन्य धर्मो के ज्ञान का संचरण हो सकता है| दलाई लामा का यह भी कहना है कि इन विषयो पर आधारित पुस्तकें उन्हें बहुत आकर्षित करती है|

दलाई लामा ने श्री मनोज ठक्कर को ये भी कहा कि काशी वास्तव में ऐसा स्थान है जहाँ अध्यात्मिक ऊर्जा महसूस की जा सकती है एवं उस पर इस स्तर पर कुछ लिखा जाना अति सराहनीय है, उन्होंने श्री ठक्कर और उनके अनेकों शिष्यों का उनके प्रति जुडाव की भी प्रशंसा की|

सेवा में,

संपादक महोदय

SHIV OM SAI PRAKASHAN
95/3 Vallabh Nagar, Indore-03 (M.P.) India T: +91 731 4225754, 2530217

द्वारा

शिव ॐ साई प्रकाशन